Dr. Sangita Kumari Jha
B.A. D-II (H). IIIrd paper.

Somatoform disorder : Types.

Somatoform disorder DSM IV TR वर्गीकरण पद्धति का एक प्रमुख विकृति है। इस विकृति से तात्पर्य एक ऐसी विकृति श्रेणी से होता है जिसमें व्यक्ति उन दैहिक लक्षणों को शिकायत करता है जिनसे दैहिक समस्याओं की उपस्थिति का अन्दाज होता है, लेकिन इसका कोई आंगिक या स्नायविक आधार नहीं होता है। ऐसे व्यक्तियों में लक्षणों का कोई शारीरिक या कायिक आधार नहीं होता। परन्तु उसे ऐसा विश्वास होता है कि उनके लक्षण वास्तविक ही नहीं परन्तु गंभीर भी है।

Criteria.

(i) रोगी के दैहिक कार्यों में कुछ परिवर्तन हुआ हो जैसे उनमें Paralysis के लक्षण उपलब्ध हो।

(ii) ऐसे लक्षणों की व्याख्या दैहिक या स्नायविक हालातों के रूप में किया जाना संभव नहीं हो। जैसे, बहरापन, या पक्षाघात के उत्पन्न होने पर भी उसका कोई Neurological damage का कोई सबूत न हो।

(iii) इस बात का Positive evidence हो कि रोगी के दैहिक लक्षण मनोवैज्ञानिक कारकों से संबंधित हो।

(iv) रोगी में प्रायः Physical loss के प्रति उदासीनता रहती हो उसे अपने दैहिक लक्षणों के प्रति कोई विशेष चिन्ता नहीं हो।

(v) रोगी द्वारा दिखलायी गयी चिन्ता उसके ऐच्छिक नियंत्रण के बाहर हो।

यदि किसी रोगी में ये उपर्युक्त पांच कसौटी के अनुरूप लक्षण पाये जाते हैं तो उसे निश्चित रूप से Somatoform disorder का Patient माना जाएगा।